an>

title: Regarding providing flood relief to the people of Seemanchal.

श्री असादुद्दीन ओवैसी (हैदराबाद) : मैडम, सीमांचल के चार जिले किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार, पिछले एक हफ्ते से सैलाब-कज़ाब से गुजर रहे हैं। 20,00,000 से ज्यादा लोग मुतास्सिर हैं। लाखों एकड़ में धान की फसल तबाह हो चुकी है और जूट, जो कॉमर्शियल फसल है, वह भी सैलाब में बह गई। कई कच्चे-पक्के घर बह गये हैं, रोड और ब्रिज बह गये हैं, हजारों लोग कैम्पों में जिंदगी गुजार रहे हैं। वहां पर न मेडिकल और दवाओं का इंतजाम है और न वहां पर राहत कार्य का कोई काम किया जा रहा है।

मैं आपके जरिये हुकूमत से मुतालबा करता हूं कि मरकज़ी हुकूमत फौरन वहां एक टीम को भेजे, जो लोग मर चुके हैं, उनके परिवार को चार लाख जाब्तै के तहत दिया जाये। किसानों का जो के.सी.सी. का कर्ज माफ किया जाये।

मैडम, रियासती हुकूमत और मरकज़ी हुकूमत सीमांचल इलाके के साथ सरासर नाइंसाफी कर रही है, इसलिए मैं हुकूमत से मुतालबा करता हूं कि इस पर फौरन ऐक्शन लिया जाये।

माननीय अध्यक्ष : हरीश द्विवेदी जी, आप बाढ़ से संबंधित विÂषय पर एक-एक मिनट बोलिए।